अटारी, कोलकाता में स्वामी विवेकानन्द के दर्शन के माध्यम से अमृत काल के लिए विस्तार दृष्टिकोण पर संवादात्मक बैठक आयोजित

11 सितंबर, 2023, कोलकाता

भाकृअनुप- कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कोलकाता (अटारी, कोलकाता) ने आज शिकागो में विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानन्द के भाषण की 130-वीं वर्षगांठ के अवसर पर "स्वामी विवेकानन्द के दर्शन के माध्यम से अमृत काल के लिए कृषि-विस्तार दृष्टिकोण" पर एक संवादात्मक बैठक का आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. मानस अधिकारी ने आज की कृषि-विस्तार में स्वामी जी की प्रासंगिकता को याद किया। उन्होंने इस तरह के सार्थक कार्यक्रम के आयोजन के लिए अटारी, कोलकाता के प्रति गहरी संतुष्टि व्यक्त की।

संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप डे ने स्वामी जी के विचारों और कृषि-विस्तार शिक्षा में इसकी प्रासंगिकता को जोड़ते हुए एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द की सबसे दूरदर्शी टिप्पणी "हमारा मिशन निराश्रितों, गरीबों और अशिक्षित किसानों और श्रमिक वर्गों के लिए है" को याद किया। उन्होंने याद दिलाया, कि स्वामी जी ने विकास और समुदायों में बदलाव के लिए "सुधार" शब्द को चुना। उसी स्वर में वर्ष 1971 में, रोजर और शूमेकर ने कहा कि "प्रौद्योगिकी का संचार और प्रसार काफी हद तक संस्कृति और परंपराओं पर निर्भर करता है" और इसे दुनिया भर में कृषि-विस्तार सिद्धांत में अपनाया गया था। उन्होंने 2047 तक राष्ट्र की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा अमृत काल के दौरान परिकल्पित परिवर्तनों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

बैठक में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों / अधिकारियों और परियोजना कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ. पी.पी. पाल, प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का संचालन किया और धन्यवाद ज्ञापित किया।